Central Industrial Security Force

In the security matrix of the country today, the Central Industrial Security Force (CISF) is firmly and significantly entrenched. The elemental qualities of valour, strength and dedication have sculpted the force since its inception and further chiseling over the years have honed it into a multi-faceted and multi-dimensional armed force capable of effortlessly adapting itself to a fluid security scenario. By fully dedicating itself towards guarding and protecting industrial units and critical assets, CISF has contributed in a large measure to the rapid and stable growth of the country.

From a modest beginning of around 3000 personnel in 1969, the CISF has grown to 1,49,088 personnel, with the Government further raising its ceiling to 1,80,000 in 2017.The pan- India deployment of the Force across 336 units has within its ambit diversified areas like Atomic Energy and Space Installations, Sea-Ports, Steel Plants, Coal Fields, Hydro-Electric and Thermal Power Plants, Defence production units, Fertilizer and Chemical Industries, Note printing Press/Mints, Heritage Monuments/Museums (Taj Mahal & Red Fort etc.). Beside this, CISF presence in 59 International and major airports of the country, Delhi Metro Rail and important Government buildings is a critical security commitment. The Force also provides VIP Security through its elite and specialized Special Security Group (SSG) commandos. The change in the charter of duties and responsibilities in 2009 has also brought private sector establishments under the security cover of CISF.

The geographical spread of the Force includes sensitive areas, affected by terrorism and left wing extremism, in Jammu & Kashmir, the North East and the States falling within the Red Corridor. Operational preparedness of a high degree has enabled CISF to effectively thwart attacks by inimical forces.

Cutting edge technology is synonymous with CISF, and the Force continuously adapts itself in myriad ways to take on a rapidly changing security scenario with concomitant challenges. Innovativeness and out-of-box thinking run parallel to dedication and commitment in the Force. Therefore, modernization, in terms of equipment and security gadgets is never lost sight of and a highly specialized R & D cell monitors this 24x7.

CISF lays great emphasis on training of its officers and men and in line with this commitment, 2017 has been declared as the 'Year of Training". In the pursuit of excellence, training methods, ideas and concepts are relentlessly reviewed, de-freezed and set into optimal and benefit-accruing systems and processes. This equips the force with critical security vision as it moves from strength to strength, and enters deeply divergent and challenging areas of responsibility.

The "Lost and Found" system has been of immense help to the rightful owners in reclaiming their lost articles at airports and Delhi Metro. During the year, unclaimed property worth Rs. 38.44 crore at airports was recovered. Out of this property worth Rs. 10.26 Crore was handed over to the rightful owners and remaining Rs. 28.18 Crore has been deposited with the airport operators. Department of Personnel and Training(DoPT), in collaboration with United Nation Development Programme (UNDP), awarded National Industrial Security Academy (NISA) for "Excellence in Training" for exceptional work in the category of "Trainer/Faculty Development". Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry(FICCI) awarded CISF with "FICCI SMART POLICING AWARD" in the category of other Policing Initiatives for launching "Lost and Found Web Application" on the CISF official website for items and valuables left behind by the commuters at the 59 airports. The National Crime Record Bureau (NCRB) adjudged CISF "M-Power App" as the Best IT project amongst CAPFs in the category of empowering police with information technology. And for the fifth time, CISF won the "Best Marching Contingent' award in the Republic Day parade, 2017.

CISF stands tall, strong and proud, protecting the nation and keeping its critical assets secure. The commitment and dedication of the Force remain steadfast. The confidence and trust that the Government has reposed on the Force, always acts as a motivator to achieve great heights of success. CISF will be celebrating its 50th year i.e. Golden Jubilee from 10th March, 2018.

Department of Posts is pleased to issue a se-tenant Commemorative Postage Stamps on Central Industrial Security Force.

Credits :

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamp/ FDC/Brochure	:	Sh. Kamleshwar Singh
Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग

Department of Posts
India

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

विवरणिका BROCHURE
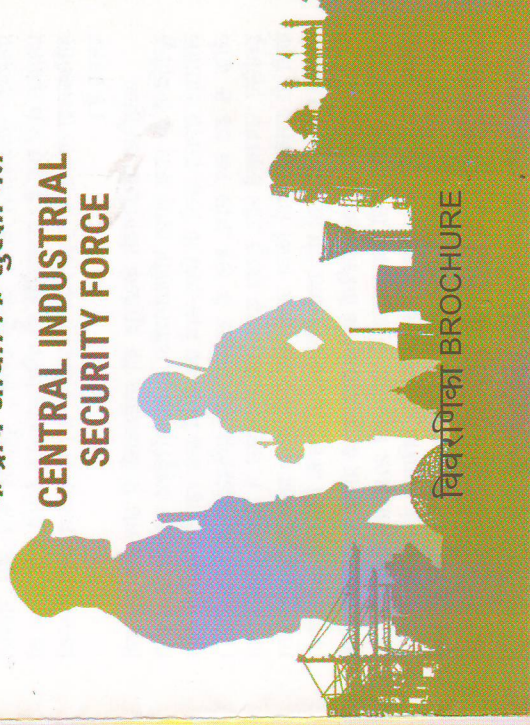
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

वर्तमान में देश के सुरक्षा ढांचे में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (केऔसुब) की दृढ़ उपस्थिति का विशेष महत्व है। साहस, शक्ति और समर्पण के मूलभूत गुणों ने इस बल को इसकी स्थापना के समय से ही मजबूती प्रदान की है। पिछले वर्षों में अस्थिर सुरक्षा परिदृश्य में इस बल ने अपने को एक बहुविध और बहुआयामी सशस्त्र बल के रूप में स्थापित किया है। इस बल का रक्षात्मक डीएनए महत्वपूर्ण उद्योगों और संवेदनशील परिसंपत्तियों की रक्षा करने में दृष्टिगोचर होता है और इस बल ने देश के तीव्र, स्थिर एवं समिष्ट आर्थिक विकास में उल्लेखनीय योगदान किया है।

1969 में लगभग 3000 कार्मिकों की मामूली शुरुआत से बढ़कर अब केऔसुब में कार्मिकों की संख्या 1,49,088 हो गई है और 2017 में सरकार ने इसकी संख्या बढ़ाकर 1,80,000 कर दी है। 336 इकाइयों के साथ बल की अखिल भारतीय स्तर पर तैनाती है, जिसमें इसके क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष अधिष्ठापन, समुद्री पत्तन, इस्पात संयंत्र, कोयला क्षेत्र, जल विद्युत और तापीय ऊर्जा संयंत्र, रक्षा उत्पादन इकाइयां, उर्वरक और रसायन उद्योग, नोट प्रिंटिंग प्रेस/टकसाल, विरासत स्थल/संग्रहालय (ताजमहल और लालकिला आदि) जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा, देश के 59 अंतर्राष्ट्रीय और प्रमुख हवाई अड्डों, दिल्ली मेट्रो रेल और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों में केऔसुब की तैनाती महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बल अपने सर्वोत्कृष्ट और विशिष्ट विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) कमाण्डों के माध्यम से वीआईपी सुरक्षा भी उपलब्ध करवाता है। 2009 में बल के घोषणा पत्र और उत्तरदायित्वों में परिवर्तन के कारण, बल के सुरक्षा कवर में निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान भी आ गए हैं।

बल का भौगोलिक फैलाव आतंकवाद और वामपंथी अतिवाद से प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक है। उच्चकोटि की परिचालनात्मक तैयारी ने केऔसुब को हानिकारक ताकतों के हमलों को प्रभावकारी रूप से नाकाम करने में समर्थ बनाया है।

आधुनिक प्रौद्योगिकी केऔसुब की पर्यायवाची है और यह सहगामी चुनौतियों के साथ सतत परिवर्तनशील सुरक्षा परिदृश्य का विविध रूप से लगातार सामना करने के लिए स्वयं को समर्थ बना रहा है। नूतनता और लीक से हट कर सोच, बल के समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसलिए, उपस्करों और सुरक्षा उपकरणों के मामले में आधुनिकीकरण को कभी भी अनदेखा नहीं किया जाता और एक उच्च दक्षता प्राप्त अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ चौबीसों घंटे सातों दिन (24x7) इसकी निगरानी करता है।

केऔसुब अपने अधिकारियों और सिपाहियों के प्रशिक्षण पर अत्यधिक जोर देता है तथा इसी वचनबद्धता के साथ, वर्ष 2017 को "प्रशिक्षणवर्ष" घोषित किया गया है। उत्कृष्ट लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण के तरीकों, विचारों तथा अवधारणाओं की निरंतर समीक्षा की जाती है और डी-फ्रीज किया जाता है तथा इसके आधार पर सर्वोत्तम तथा लाभप्रद प्रणालियां तथा प्रक्रियाएं निर्धारित की जाती हैं। यह बल की संवेदनशील सुरक्षा दृष्टि को सज्जित करती है, जो इसे जिम्मेदारी की विभिन्न और चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने में और सक्षम बनाती है।

'खोया एवं पाया' प्रणाली हवाई अड्डों तथा दिल्ली मेट्रो में अपने खोए हुए सामान को पुनः प्राप्त करने में सही मालिकों की काफी हद तक सहायता करती है। वर्ष के दौरान, हवाई अड्डों पर 38.44 करोड़ रुपये मूल्य की अदावी सम्पत्ति बरामद हुई थी, जिसमें से 10.26 करोड़ रुपये मूल्य की सम्पत्ति सही मालिकों को सौंप दी गई थी तथा शेष 28.18 करोड़ रुपये मूल्य की सम्पत्ति हवाई अड्डा संचालकों के पास जमा कर दी गई है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ मिलकर राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए) को "प्रशिक्षक/संकाय विकास" की श्रेणी में असाधारण कार्य करने के लिए "प्रशिक्षण उत्कृष्टता" से सम्मानित किया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री (फिक्की) ने 59 हवाई अड्डों पर यात्रियों द्वारा छोड़े गए सामान तथा मूल्यवान वस्तुओं के लिए केऔसुब की आधिकारिक वेबसाइट पर "खोया एवं पाया वेब ऐप्लिकेशन" शुरू करने तथा अन्य नीतिगत पहलों की श्रेणी में केऔसुब को "फिक्की स्मार्ट पोलिसिंग अवार्ड" से सम्मानित किया है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने पुलिस को सूचना प्रौद्योगिकी से सशक्त करने की श्रेणी में सभी सीएपीएफ में से केऔसुब की "एम-पावर ऐप" को सर्वश्रेष्ठ आईटी परियोजना के रूप में घोषित किया है। इसके अलावा, केऔसुब ने पांचवी बार गणतंत्र दिवस परेड 2017 में "सर्वोत्तम मार्चिंग दस्ता" का खिताब जीता है।

केऔसुब, राष्ट्र की सुरक्षा तथा इसकी महत्वपूर्ण सम्पत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए ताकत, मजबूती तथा गर्व के साथ खड़ा है। बल की प्रतिबद्धता और समर्पण दृढ़ है। जो विश्वास और भरोसा सरकार ने बल पर किया है, वह सफलता की नई ऊंचाइयों को पाने के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य करता है। केऔसुब अपना 50वां वर्ष अर्थात स्वर्णजयन्ती वर्ष 10 मार्च, 2018 से मनाने जा रहा है।

डाक विभाग केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका	:	श्री कमलेश्वर सिंह
विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा(2)
Denomination	:	500 p(2)
मुद्रित डाक-टिकटें	:	600825, 500000
Stamps Printed	:	600825, 500000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00